8, 22. व्हच्ह्यपीडित MBs. 3, 2192. 2307. fg. 2521. 2647. 2842. 10562. 13,4376. Soça. 1, 120, 3. म्रय वा पास्पसे तत्र त्यका माम् — पीडितारूं भविष्यामि so v. a. schlimm daran Brahman. 3, 14. Ragh. 11, 87. Megh. 86. ÇAR. 81. VARÂH. BRH. S. 3, 15. 4, 26. 5, 38. 38 (37), 3. VET. in LA. 7, 8. 20,5. 25,14. 32,13. BHATT. 6,141. 7,9. पीडाले धान्यानि werden mitgenommen VARAH. BRH. S. 8, 10. पीडितेन्द्र विषा कीर्त्या Riga-TAR. 4, 45. न्नतमपीउयन् das Gelübde nicht beeinträchtigend, nicht brechend Jián. 1, 82. धर्मा ४त्र पीडाते leidet MBa.2,2308.1,7798. धर्ममपीउपन् Bakg.P.9,11, 36. यथा स्वार्धे न पीडियेत् Kim. Nitis. 11,60. क्ट्रम्बम् seinen Hausstand, den Unterhalt der Familie vernachlässigen, leiden lassen MBH. 13, 3208. पीडित = बाधित und यहित H. an. 3,282. Med. t. 134. = तुझ Halas. 4,82. n. das Zusetzen, Plagen, Beunruhigen: शत्र्याम (obj.) MBH. 15,227. - 3) in der Astrol. ist quälen so v. a. verfinstern Vanau. Bru. S. 11, 25. 14, 32. 15, 31. 23, 10. 46, 6. in der Auguralkunde so v. a. mit einem unglückverheissenden Gegenstande bedecken: तानि (मर्गाणि वा-स्तुप्रुषस्य) °कीलकस्तम्भाग्नैः पीडितानि शल्यैश्च 52, 58. स्रतिपीडितं दारम् (sc. उडुम्बरेण) 81.

- श्रमि caus. drücken, pressen, treten SHADV. Ba. 1,5. हमा च पर्गिम्पीडिता BBAG. P. 7,8,33. बलीधेर्मिपीडिता (वमुंधर्ग) HARIV. 4985. तता अभिपीडितेगीत्री: पिएडीकृत इवाबमा MBB. 3, 1612. belagern: मिथिलाम् R. Goar. 1,68,20. Jmd zusetzen, quälen, peinigen, martern HARIV. 10601. मर्तृशाकाभिपीडिता MBB. 3,2490. श्रस्त्रतेशो अभिपीडित 5,7285. द्रिद्येणाभिपीडिता R. 2,32,29. 51,21 (= 48,24 Goar.). 57,24. 58,23.
- समिभ caus. zerdrücken: स तु गृद्ध मृधे दार्म्या दैत्या समिभिपीउपत् Навіч. 2936.
- म्रव caus. niederdrücken: तता ४स्य ज्ञानुना पृष्ठमवर्पाड बलादिव MBB. 1,6292. मृमज्ञेव मकी तस्य भूरिभारावपीडिता ४७१७. द्याभारावपीडित अक्षास्त्रिणावपीडित: (niedergeschmettert) । श्रवा बभूव MBB. 14,1944. एता पौरा मया स्मिन्धी शिराभिर्वपीडिता R. 3,61,47. (नेत्रे) पार्श्वावपीडिते angedrückt Suça. 2,201, 4. पद्माम् sich mit den Füssen anstemmen MBB. 4,1455. ausdrücken (eine Wunde) Suça. 1,46,14.2,7,5. पर्चक्रेणावपीडित: bedrängt MABE. P.37,18. Vgl. म्रवपीडित
 - समन caus. zusammendrücken Suga. 1,101,2.
- 翔 caus. ausdrücken: वासांसि Åçv. GRHJ. 4, 4. drücken: कएठे बीर्पालताप्रतानवलंगेरृत्यर्थमापीडित: ÇAK. 170, v. 1. पपाधर्भरूपापीडित: GIr.12, 11. PRAB. 57, 9. रेरावतविषापाग्रेरापीडितक्तत्रणान् (भृजान्) zerdrückt R. 5, 14, 16. मृल्लेपापीडिताङ्गक so v. a. belegt mit Ràéa-Tak. 3, 398. bedrängen, hart mitnehmen, plagen: घ्रापीडियन्मां सक्ताः शिक्त-पूलासिवृष्टिभिः MBH. 3, 12121. घ्रापीडमानो हृद्धैः MARK. P. 99, 10. Vgl. घ्रापीड und 2. घ्रापीडित (von म्रापीड).
- उद् hinauldrücken, hinauldrängen: कत्तामुत्पीडा MBu. 3,426. म्र-न्योऽन्यमुत्पीडयत् — स्तनहयम् Komars. 1,40. तद्वत्पीडितवारिराशिः (तद् = गन्न) सरित्प्रवारुः Rage. 5,46. एताः करात्पीडितवारिधाराः 16, 66. herausdrücken Suça. 2,47,5. 343,4. — Vgl. उत्पीड fg.
 - समुद्ध caus. zusammendrücken; s. सम्त्पीउन.
- उप caus. drücken: पार्श्वीपपीडं, पार्श्वचारूपपीडं, पार्श्वाभ्यानुप॰ शेते P. \$, 4,49, Sch. mitnehmen, beschädigen, quälen, peinigen: उपर्ह्या-रिमासीत राष्ट्रं चास्योपपीडयेत् M. 7, 195. भोगप्राप्तं विक्वीणं मित्रमध्य-

पपीउपेत् Kim. Niris. 8, 72. तुन् श्लोपपीडित M. 8, 67. in der Astr. verfinstern: नैर्फ्त नैर्फ्तानां च नत्तत्रमुपपीडाते R. 5, 73, 57. Vanis. Bas. S. — Vgl. उपपीडन.

- नि caus. 1) andrücken, drücken, pressen: निपीद्य श्रवणान्कस्तीर्म-निरे तं गतापुषम् Hariv. 4233. राघवं प्नः प्नश्चैव निपीडा सस्वज्ञे R. Goar. 2,25,42. निपीडा पारे। व्यधिष्ठिरस्य (beim ehrerbietigen Grusse) МВн. 1,7 150. R. 2,25, 45. 31,2. Rage. 2,23. मातश्च शिरसा पाँटा निपीडा Harry. 4776. श्रङ्ग ष्ठायनिपीडितम् । कुला मकीतलम् R. 1, 44, 1 (45, 1 Gorr.). Вийс. Р. 4,8,79. स्निक्न तिलवत्सर्व सर्गचक्रे निपीडाते MBн. 12, 6481 (vgl. 7697). भुजयस्त्रनिपीडित R. 4,10,21. Spr. 777. कारुमस्या नि-पीडा R. 5,25,47. कांश्चितकारि न्यपीउयत् HARIV. 2758. MRÉÉH. 128,22. कर्णभूषणनिपीडितपीवरं स RAGB. ४,६५. पाणी पाणि निपीड्य (vgl. o. पि-ष् mit निस्) MBH. 9,3658. दलान्दलैर्निपीउयन् (vgl. पिष् mit निस्) Panкат. 249,7. पश्चिमं नग्रहारं निपीडा drucken an R. 6,13,28. — 2) heimsuchen, plagen, mitnehmen: भूमिपतीन् MBH. 5, 17. देवदानवगन्धर्वा र्-तांसि पतगारगाः । ते ऽपि भागाय कल्पत्ते दर्गाउँनैव निपीडिताः॥ M. 7,23. R. 2,67, 28. कम्पाध्माननिपीडित Suga. 1,119, 19. 121, 3. 245, 9. Baig. P. 4,8,80. KAUHAP. 18 bei HABB. 230. VARÂH. BRH. S. 6, 6. 17, 25. 29, 15. 종-स्तिनिपी डिताः (तरवः) 57, 3. — 3) in der Astr. so v. a. verfinstern VABÂH. Ван. S. 10, 18. Lagnud. 3, 5. Ван. 4, 9. — निपादित Pankat. 1, 209 feblerhaft für निष्पीउित. Vgl. निपीउना.
- म्रिमिन caus. drücken: करं करेगाभिनिपीडा MBB. 3,14759. इदं तया रघनाभारङ्गेनाङ्गं निपीडितम् VIEE. 52. peinigen, quälen, mitnehmen: कन्दर्पवाणाभिनिपीडित MBB. 1,7009. 7,612. 8974. R. 6,16,50.
- उपनि caus. heimsuchen: देवेनापनिपीडिता: MBa. 2,2498. 5,7487. 10,393. कालेनाप 12,8161.
- विनि caus. stark mitnehmen: मैन्यानि विदार्थ कुला विनिपीडा भ्रास्ति MBB. 6,3515.
- निम् caus. herausdrücken, ausdrücken: द्सनिष्योडितो रूस: Suça. 1,187,10. 230,4. 2,217,18. 350,20. Âçv. Gab. 1,17. Makku. 63,5. Spr. 231. zerdrücken: तस्य निष्यीद्यमानस्य भुज्ञात्तर्गतस्य च R. 4,10,20. Выда. Р. 7,9,22. heftig drücken, zusammendrücken, zusammenpressen: कर्रे करेणा निष्योद्य (vgl. पिष् mit निम्) MBu. 8,1256. Haaiv. 15818. क्स्ता निष्योद्य (निपीद्य ?) Paab. 36,10. (शिलाः) वितस्ता निष्योद्य किंदिन-स्थायाः R. 4,9,61. quetschen (in der Aussprache) Çissbå 35.
 - विनिस caus. ausdrücken Suça. 2,333,17.
- परि caus. 1) ringsum drücken, zusammendrücken, drücken: ल्रपाम् Suça. 1, 16, 6. 2, 8, 4. परिपीडितारम् हर. 5, 9. बाकुभ्यां परिपीडित: मार. 65, 13. मृदङ्गान्परिपोड्यान्याः मुप्ताः so v. a. liegend auf R. 5, 13, 46. 2) stark mitnehmen, plagen, peinigen, quälen MBH. 2, 228. 13, 2648. 14,75. Aué. 10,39. R. Gorr. 2, 9,16 (10,38 Schl.). 16,22. 3,14,5. स्रकामां कामपानस्य शरीरं परिपाद्यते 5,24,37. 36,36. Hariv. 10768. Spr. 1195. नुध्या परिपीद्यते Райкат. 88,4. Кат. 7. Макк. Р. 112,11. 3) in der Auguralkunde so v. a. bedecken: ममाणि न परिपीडयेत्प्राज्ञः Va-
- प्र caus. 1) drücken, pressen: पवित्रम् Çat. Br. 11,5,5,11. Kâts. Ça. 24, 3, 40. धन्: प्रपीद्य वामेन करेषा MBs. 6,8907. Suça. 1,167,13.